Roll NO.

CODE: JSHP-23-M-HINDI

# HINDI
# हिंदी

समय : 3 घंटे
**Time Allowed : 3 Hours**

अधिकतम अंक : 100
**Maximum Marks : 100**

---

## प्रश्नपत्र के लिए विशिष्ट अनुदेश

निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को, प्रश्नों के उत्तर देने से पहले ध्यानपूर्वक पढ़िए :

1. इस प्रश्नपत्र में 7 प्रश्न हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं।
2. परीक्षार्थी प्रश्न/प्रश्न के भाग के उत्तर खंड में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही दें।
3. प्रत्येक प्रश्न/प्रश्न के भाग के अधिकतम अंक उसके सामने अंकित हैं।
4. प्रश्न/प्रश्न के सभी भागों के उत्तर प्रश्न-सह-उत्तरपुस्तिका में उसके नियत स्थान पर लिखिए. प्रश्नों/प्रश्नों के भागों के उत्तर क्रमानुसार गिने जाएँगे।
5. यदि उत्तर काटा नहीं गया है तो आंशिक उत्तर देने पर भी उसे गिना जाएगा. यदि प्रश्न-सह-उत्तरपुस्तिका में प्रश्न/प्रश्न के भाग के लिए निर्धारित पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को खाली छोड़ा गया है तो उसे लकीर खींचकर काटना आवश्यक है।
6. प्रश्नों के उत्तर साफ़, स्पष्ट एवं सुपाठ्य रूप में दें. उत्तर की शब्द-सीमा का भी ध्यान रखें।
7. उत्तरपुस्तिका के पुनर्मूल्यांकन / पुन:जांच कि अनुमति नहीं है।

## QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of following instruction carefully before attempting questions.

1. This question paper contains 7 questions. All questions are compulsory.
2. Candidates should attempt question/parts as per the instructions given in the section.
3. The number of marks carried by the question/part is indicated against it.
4. All parts of a question shall be attempted at the place designated for them in the Question-cum-Answer Booklet. Attempts of parts/ questions shall be counted in sequential order.
5. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
6. Candidates are required to write clear, legible and concise answers and to adhere to word limits, wherever indicated.
7. Re-Evaluation/ Re-checking of answer book are not allowed.

1. निम्नलिखित मुहावरों के उचित वाक्य-प्रयोग कीजिए : (04 )

(क) सिट्टी-पिट्टी गुम होना

(ख) गहरी छनना

(ग) दिमाग़ सातवें आसमान पर होना

(घ) तिल का ताड़ बनाना

2. प्रत्येक वाक्यांश के लिए एक-एक शब्द लिखिए : (04)

(क) जिस पर विचार किया जा रहा हो

(ख) राजकीय कामकाज के लिए उपयोग में आनेवाली भाषा

(ग) किसी घटना को घटते हुए देखनेवाला

(घ) भविष्य में जिसका होना निश्चित हो

(ङ) जिससे कोई जान-पहचान न हो

(च) कानून की दृष्टि से उचित

(छ) कम शब्दों में अपनी बात कहनेवाला

(ज) किसी व्यक्ति या वस्तु की जगह बदलना

3. निम्नलिखित वाक्यों को व्याकरण की दृष्टि से सुधारकर लिखिए : (04)

(क) हर आदमी को एक-दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है ।

(ख) सभी देशवासियों ने देश के भविष्य-निर्माण के लिए मिल-जुलकर काम करना चाहिए ।

(ग) मैंने आज प्रात: महादेव जी का दर्शन किया ।

(घ) ऐसे हालातों में धैर्य ही सबसे बड़ी पूँजी है ।

4. निम्नलिखित शब्दों से समुचित वाक्य-रचना कीजिए : (04)

(ख) लंबित

(ग) समाहार

(घ) मनोनुकूल

(ङ) हिंस्र

(च) निस्तारण

(छ) प्रतिरक्षा

(ज) विघटन

(झ) सामंजस्य

5. शब्द रचना कीजिए : (04)

(क) अ+प्रति+आशा+इत =

(ख) प्राक् +इतिहास+इक =

(ग) सम् +प्रेष् +अनीय + ता =

(घ) स्व+छंद+ता =

(ङ) सम् +उत् +ज्वल =

(च) प्रति +आ +कर्ष+अन =

(छ) प्र +उद्योग+इक+ई =

(ज) पठ्+अक +ईय =

5. निम्नलिखित गद्यांश का हिन्दी अनुवाद कीजिए : (30)

As such, it was argued by philosopher Michel Foucault that different societies are engaged in different 'regimes of truth'. Even within such societies, different sections are governed by different truths, with often those in dominant positions imposing there version of truth upon others. Hence, facts and opinions cannot be confined to water tight compartments when they overlap in various instances in their relationship with 'truth'. The opinion of a person is conferred the status of a 'fact' and subsequently 'truth' depending upon the power they yield in society. This was also confirmed in a 1994 study by a historian of science named Steven Shapin, when he noted that even at the height of the Scientific Revolution in seventeenth century England, truth was closely linked to an elite culture of honour, wealth, and civilised compartment and was not a universal standard. In India, since women, Dalit and others belonging to marginalised communities did not traditionally enjoy power, their opinions were not conferred the status of 'truth'. This is because since they did not enjoy the freedom to express their opinions, their thoughts were confined, crippled and caged. Even after these marginalised groups received the right to vote, their opinions were reckoned to be 'untrustworthy' because they were considered to be treacherous 'by nature'. In India during the British Raj, when power was absolutely in the hands of few powerful members of the Raj, the truth (and by necessary inference the fact) was the opinion of the king or queen and members of the Raj. After the abolition of the Raj, the truth then became the belief and opinion of upper

caste men. With progress in society and annihilation of the notions of patriarchy and caste supremacy, the opinions of women, Dalits, and other marginalised communities are slowly but gradually to be regarded as 'truth' in India.

2. किसी एक विषय पर लगभग 800 शब्दों में निबंध लिखिए : (50)

(क) बढ़ते पर्यटन का पर्यावरण पर प्रभाव ।

(ख) शिक्षा एवं स्वास्थ्य का निजीकरण और समाज ।

(ग) पर्वतीय संस्कृति के जीवंत तत्व ।

*****